

कृष्णदास संस्कृत सीरीज

२५७

कृष्णद्वैपायनमहर्षिव्यासविरचितम्

बृहन्नारदीयपुराणम्

मूल तथा भाषानुवाद

भाषाभाष्यकार

एस. एन. खण्डेलवाल

(श्री नाथ खण्डेलवाल)

पूर्वार्द्धम्



चौखम्बा कृष्णदास अकादमी

वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

अध्याय

पृष्ठाङ्क

१. नैमिषारण्य में मुनिगण द्वारा तप तथा सूत एवं ऋषिगण का संवाद	१
२. सनत्कुमार-नारद संवाद वर्णन नारद कृत विष्णु स्तुति	९
३. सृष्टि, भारतवर्ष तथा तत्सम्बन्धित भूगोल का वर्णन	१६
४. महर्षि मार्कण्डेय के चरित्र का वर्णन	२४
५. महर्षि मार्कण्डेय चरित वर्णन	३५
६. पुण्यतोया गंगा के माहात्म्य का वर्णन	४२
७. गंगा के माहात्म्य का वर्णन	४९
८. गंगा माहात्म्य का वर्णन	५७
९. गंगाजल स्पर्श द्वारा सौदास (मित्रसह) की शापमुक्ति	७२
१०. राजा बलि द्वारा देवगण की पराजय	८६
११. गंगा की उत्पत्ति का वर्णन	९२
१२. धर्माख्यान वर्णन	११२
१३. धर्माख्यान कथन	१२१
१४. पापसमूह का प्रायश्चित्त तथा श्राद्धपञ्चक वर्णन	१३६
१५. नरक यातना तथा गंगा को लाया जाना	१४५
१६. गंगावतरण द्वारा भगीरथ का स्वकुल उद्धार करना	१६१
१७. शुक्लपक्ष के द्वादशी व्रत का उसके उद्घापन के साथ वर्णन	१७२
१८. लक्ष्मीनारायण व्रत तथा उसके सविधि उद्घापन का वर्णन	१८२
१९. विष्णु मन्दिर में ध्वज का आरोपण करना	१८५
२०. सोमवंशोत्पन्न सुमति राजा द्वारा पूर्वजन्म वृत्तान्त का वर्णन	१९०
२१. श्री हरि के हरिपंचक व्रत का वर्णन	१९८
२२. विशेष मासों में किये जाने वाले व्रतों का वर्णन	२०१
२३. भद्रशील ब्राह्मण के प्रसंग का वर्णन	२०४
२४. ब्राह्मण-क्षत्रियादि वर्णों के सदाचार का वर्णन	२१३
२५. वर्णाश्रमाचार विधि वर्णन	२१७
२६. द्विजों के लिये विहित वेदाध्ययनादि धर्मों का वर्णन	२२३
२७. गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं संन्यासी धर्म का वर्णन	२२७
२८. विष्णु मन्दिर में ध्वजारोपण का वर्णन	२३८
२९. तिथि निर्णय प्रसंग	२४६
३०. प्रायश्चित्त विधि का विस्तृत वर्णन	२५२

अध्याय	पृष्ठाङ्क
३१. यमदूतगण का कृत्य वर्णन	२६३
३२. भवाटवी वर्णन	२७०
३३. योग का वर्णन	२७८
३४. हरिभक्त के लक्षणों का वर्णन	२९४
३५. ज्ञान निरूपण	३०१
३६. यज्ञमाली तथा सुमाली द्वारा उत्तमलोक प्राप्त करना	३०८
३७. विष्णु माहात्म्य वर्णन	३१३
३८. विष्णु माहात्म्य वर्णन	३२०
३९. विष्णु माहात्म्य वर्णन	३२७
४०. विष्णु माहात्म्य वर्णन	३३४
४१. युगों का स्थिति लक्षण, विष्णु के नाम-माहात्म्य का वर्णन	३४०
४२. सृष्टि-वर्णन	३५१
४३. जीव गति, द्विजाचार का वर्णन	३६३
४४. ध्यान योग वर्णन	३७८
४५. राजा जनक को पञ्चशिख मुनि का उपदेश	३८९
४६. त्रिविध ताप से मुक्ति के उपाय का वर्णन	३९८
४७. मुक्तिदायक योग का वर्णन	४०९
४८. राजा भरत का उपाख्यान तथा ज्ञानचर्चा वर्णन	४१७
४९. परमार्थ निरूपण	४२६
५०. शिक्षा का वर्णन	४३६
५१. वेद के द्वितीय अंग कल्प का वर्णन, गणपतिपूजन, ग्रहशान्ति एवं श्राद्ध निरूपण	४६४
५२. व्याकरण शास्त्र का वर्णन	४८०
५३. निरुक्त लक्षण	४९३
५४. ज्योतिष वर्णन	५०२
५५. त्रिस्कन्ध ज्योतिष तथा जातक स्कन्ध	५४२
५६. त्रिस्कन्ध ज्योतिष-संहिता प्रकरण	६०३
५७. छन्दः शास्त्र का संक्षिप्त परिचय	६९५
५८. शुक के इतिहास का वर्णन	६९८
५९. अध्यात्मतत्त्व निरूपण	७०५
६०. सनत्कुमार द्वारा शुक को ज्ञान का उपदेश	७११
६१. सनत्कुमार द्वारा शुक को ज्ञानोपदेश देना	७२०
६२. मोक्षधर्म का निरूपण	७२८

अध्याय

पृष्ठाङ्क

६३. पाशुपत दर्शन तत्त्व वर्णन	७३६
६४. दीक्षा विधि वर्णन	७४८
६५. मन्त्र जपविधि वर्णन	७५५
६६. प्रातःकृत्य, सन्ध्या-तर्पणादि वर्णन	७६५
६७. देवपूजा-विधि वर्णन	७८१
६८. गणेश मन्त्रविधान का वर्णन	७९४
६९. मन्त्रविधान निरूपण	८०२
७०. विष्णु के अष्टाक्षर प्रभृति नाना मन्त्र के अनुष्ठान की विधि	८१५
७१. नृसिंह मन्त्र की उपासना का वर्णन, नृसिंह गायत्री आदि का वर्णन	८३३
७२. हयग्रीव मन्त्रोपासना का वर्णन	८५२
७३. लक्ष्मण तथा राम मन्त्र जपविधि	८५६
७४. हनुमत् मन्त्र का वर्णन	८७३
७५. हनुमान हेतु दीपदान का वर्णन	८९१
७६. कार्तवीर्य महिमा	९००
७७. श्री कार्तवीर्य कवच	९११
७८. हनुमत्कवच वर्णन	९२२
७९. हनुमत् चरित्र वर्णन	९२७
८०. श्रीकृष्ण सम्बन्धित मन्त्र की साधना का वर्णन	९६०
८१. मनोकामना-भेद से कृष्ण मन्त्रों के भेद का कथन	९९०
८२. राधा-कृष्ण सहस्रनामस्तव	१००६
८३. राधा के अंश से उत्पन्न पंचप्रकृति वर्णन	१०२३
८४. जपहोम विधि, देवी मन्त्र निरूपण	१०३९
८५. वाग्देवी की अवतार रूपा काली प्रभृति के मन्त्रों का वर्णन	१०४९
८६. महालक्ष्मी अवतार वर्णन बगला प्रभृति शक्ति का मन्त्र एवं साधन वर्णन	१०६२
८७. दुर्गा मन्त्रों का सविधि-वर्णन	१०७३
८८. राधावतार के अन्तर्गत षोडश देवताओं के मन्त्र-यन्त्र-पूजन का वर्णन	१०८७
८९. शक्तिसहस्रनाम कवच वर्णन	१११०
९०. अर्चन विधान तथा नित्यापटल वर्णन	११२५
९१. स्तोत्र सहित माहेश्वर मन्त्र विधान	११४७
९२. ब्रह्मपुराण का संक्षिप्त वर्णन	११६७
९३. पद्मपुराण का वर्णन	११७१
९४. विष्णु पुराण की विषयानुक्रमणिका	११७५

अध्याय	पृष्ठाङ्क
९५. वायु पुराण की विषयानुक्रमणिका	११७७
९६. श्रीभागवत पुराण की विषयानुक्रमणी	११७८
९७. श्रीनारदीय पुराण की विषयानुक्रमणी	११८१
९८. मार्कण्डेय पुराण की विषयानुक्रमणिका	११८२
९९. अग्निपुराण की विषयानुक्रमणिका	११८४
१००. भविष्य पुराण की विषयानुक्रमणिका	११८६
१०१. ब्रह्मवैवर्तपुराण की विषयानुक्रमणिका	११८८
१०२. लिंगपुराण की विषयानुक्रमणिका	११९१
१०३. वाराह पुराण की विषयानुक्रमणिका	११९३
१०४. स्कन्दमहापुराण की विषयानुक्रमणिका	११९४
१०५. वामनपुराण की विषयानुक्रमणी	१२११
१०६. कूर्मपुराण की विषयानुक्रमणी	१२१३
१०७. मत्स्यपुराण की सूची	१२१५
१०८. गरुड़ पुराण की विषयानुक्रमणी	१२१७
१०९. ब्रह्माण्डपुराणगत विषयों का वर्णन	१२२०
११०. द्वादश मासों में प्रतिपदाव्रत	१२२३
१११. द्वादश मासीय द्वितीया व्रत वर्णन	१२२८
११२. द्वादश मासीय तृतीय व्रत वर्णन	१२३१
११३. द्वादश मासीय चतुर्थी व्रताचरण वर्णन	१२३७
११४. द्वादश मासीय पंचमी व्रत वर्णन	१२४५
११५. द्वादशमासीय षष्ठी व्रत वर्णन	१२५१
११६. द्वादशमासीय सप्तमी व्रत वर्णन	१२५६
११७. द्वादशमासीय अष्टमी व्रत वर्णन	१२६२
११८. द्वादश मासों में नवमी व्रतों का विधान एवं महिमा	१२७१
११९. द्वादश मासीय दशमी व्रत	१२७५
१२०. द्वादश मासीय एकादशी व्रत वर्णन	१२८१
१२१. द्वादश मासीय द्वादशी व्रत वर्णन	१२९०
१२२. द्वादश मासीय त्रयोदशी व्रत	१३०२
१२३. द्वादश मासीय चतुर्दशी व्रत विधि-वर्णन	१३०९
१२४. द्वादश मासीय पूर्णिमा व्रत-विधान	१३१६
१२५. देवर्षि सनकादि तथा नारद का प्रस्थान, नारदपुराण का माहात्म्य कथन	१३२४



कृष्णदास संस्कृत सीरीज

२५७

कृष्णद्वैपायनमहर्षिव्यासविरचितम्

बृहन्नारदीयपुराणम्

मूल तथा भाषानुवाद

भाषाभाष्यकार

एस. एन. खण्डेलवाल
(श्री नाथ खण्डेलवाल)

उत्तरार्द्धम्



चौखम्बा कृष्णदास अकादमी
वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

अध्याय	पृष्ठांक
१. एकादशी माहात्म्य	१
२. तिथियों से सम्बन्धित विचार	४
३. यम का ब्रह्मलोक गमन प्रसंग	९
४. यम द्वारा रुक्मांगद के प्रभाव तथा स्वदुःख का वर्णन	१६
५. यम का विलाप	१९
६. ब्रह्मदेव का कथन, भक्तगौरव वर्णन	२१
७. मोहिनी के प्रति ब्रह्मा का वाक्य वर्णन	२३
८. रुक्मांगद-धर्मांगद संवाद वर्णन	३०
९. रुक्मांगद तथा धर्मांगद का संवाद	३३
१०. रुक्मांगद-सन्ध्यावली संवाद तथा रुक्मांगद-वामदेव संवाद	३८
११. रुक्मांगद वामदेव संवाद तथा मोहिनी से मिलने का वर्णन	४४
१२. रुक्मांगद-मोहिनी-संवाद वर्णन	४९
१३. रुक्मांगद-मोहिनी विवाह प्रसंग	५३
१४. गोधाविमुक्ति प्रसंग वर्णन	५६
१५. मोहिनी चरित के अन्तर्गत पिता-पुत्र संवाद वर्णन	६३
१६. मोहिनी चरित वर्णन के अन्तर्गत पतिव्रता उपाख्यान	६७
१७. पतिव्रता का उपाख्यान, सन्ध्यावली द्वारा सेवित मोहिनी के यहां राजा का आगमन	७५
१८. धर्मांगद का पिता एवं मोहिनी के प्रति उदार होने का माताओं से अनुरोध	८१
१९. मोहिनी-रुक्मांगद विलास वर्णन	८६
२०. धर्मांगद द्वारा दिग्विजय	९०
२१. धर्मांगद का नागकन्यागण से विवाह	९३
२२. कार्तिक माहात्म्य का वर्णन	९७
२३. सन्ध्यावली का कार्तिक मास में कृच्छ्रव्रत प्रारंभ करना	१०५
२४. राजा द्वारा मोहिनी के आक्षेप का खंडन परन्तु मोहिनी द्वारा अपने मत का पुनर्स्थापन	११४
२५. मोहिनी का कोप करके वहां से अन्यत्र गमनोद्यत होना, तथापि धर्मांगद द्वारा उसे पुनः बुलाकर लाना	११९
२६. राजा द्वारा एकादशी व्रतभंग न करने का निश्चय	१२८
२७. काष्ठीला देह प्राप्त कौण्डिन्य पत्नी का पूर्व वृत्तान्त वर्णन	१२९
२८. राक्षसवध, राक्षसी सहित ब्राह्मण का काशी आगमन	१४४
२९. काशी माहात्म्य का वर्णन	१५२
३०. कौण्डिन्य से राजपुत्री का विवाह प्रसंग वर्णन	१५९

अध्याय	पृष्ठांक
३१. माघमासीय पुण्यदान द्वारा काष्ठीला को उत्तम लोकलाभ	१६७
३२. मोहिनी द्वारा सन्ध्यावली के पुत्र का शिर मांगना	१७३
३३. रानी सन्ध्यावली का राजा को पुत्रवधार्थ सहमत करना	१७९
३४. पुत्रवधोद्यत राजा को देख मोहिनी की मूर्च्छा तथा भगवान् का प्रकट होना	१८५
३५. वरोद्यत देवगण की पुरोहित द्वारा भर्त्सना तथा ब्राह्मण शाप से मोहिनी का दग्ध होना	१८९
३६. मोहिनी की दुर्गति, ब्रह्मा का पुरोहित को प्रसन्न किया जाना	१९७
३७. मोहिनी को पुनः देहलाभ तथा दशमी के अन्तिम भाग में स्थान प्राप्ति	२०३
३८. मोहिनी-वसु संवाद-गंगा माहात्म्य वर्णन	२०८
३९. गंगादर्शन-स्मरण-गंगाजल स्नान, इन तीनों की महिमा का वर्णन	२१४
४०. विशेष समय में तथा विशेष स्थान पर गंगास्नान महिमा वर्णन	२१९
४१. गंगातट पर प्रदत्त दान, तर्पण, नानाविध दान की महिमा का वर्णन एवं पूजनादि का फल वर्णन	२२४
४२. वर्षपर्यन्त का गंगार्चन व्रत, गुडधेनु दानादि प्रसंग वर्णन	२३१
४३. गंगा व्रत वर्णन	२३६
४४. राजा विशाल का वृत्तान्त, तीर्थ महिमा	२४८
४५. गया में पिण्डदानानि विधि का तथा प्रथम एवं द्वितीय दिवसीय कृत्य का वर्णन	२५६
४६. ब्रह्मतीर्थ, विष्णुतीर्थ माहात्म्य तथा गया में तृतीय दिवसीय एवं चतुर्थ दिवसीय कृत्य वर्णन	२६७
४७. गया में पंचमदिवस कृत्य वर्णन	२७३
४८. अविमुक्त क्षेत्र काशी महिमा	२८२
४९. काशी तीर्थयात्रा वर्णन	२९०
५०. काशी यात्राकाल, शिवलिंग वर्णन	२९७
५१. काशी माहात्म्य के अन्तर्गत गंगा एवं पंचनद में स्नान से महापातक निवृत्ति तथा शिवलोक लाभ प्रसंग वर्णन	३०४
५२. पुरुषोत्तम क्षेत्र की महिमा का वर्णन, राजा इन्द्रद्युम्न को मोक्ष लाभ	३०८
५३. इन्द्रद्युम्न कृत कृष्ण स्तुति	३१७
५४. राजा को स्वप्न में तथा जाग्रत में हरिदर्शन, भगवत् मूर्ति निर्माण, वरलाभ, प्रतिमाप्रतिष्ठा का वर्णन	३२३
५५. पुरुषोत्तम क्षेत्र की तीर्थयात्रा तथा वहां नृसिंहदेव की पूजा की विधि	३३४
५६. श्वेतमाधव, मत्स्यमाधव दर्शनफल तथा समुद्र-स्नान वर्णन	३४७
५७. नारायण पूजा विधान वर्णन	३५३
५८. पुरुषोत्तम क्षेत्र में स्नान, दान, श्राद्धादि का वर्णन	३५८
५९. गोलोकस्थ राधा-कृष्ण द्वारा पंचरूप ग्रहण वर्णन	३६४

अध्याय	पृष्ठांक
६०. ज्येष्ठ शुक्लशदामी से प्रारंभ करके पूर्णिमा पर्यन्त यात्रा-उत्सव वर्णन तथा भगवान् के स्नान का सविधि निरूपण	३६९
६१. पुरुषोत्तम माहात्म्य के अन्तर्गत क्षेत्रयात्रा विधि वर्णन तथा फल	३७६
६२. तीर्थप्रवर प्रयाग में स्नान-दानादि विधान का वर्णन	३८४
६३. प्रयाग में मकरस्थ माघस्नान की महिमा, प्रयाग के कतिपय तीर्थ का माहात्म्य वर्णन	३९१
६४. कुरुक्षेत्र की महिमा तथा वहाँ का वर्णन	४०८
६५. कुरुक्षेत्र के विभिन्न तीर्थ का माहात्म्य यात्राविधि वर्णन	४११
६६. गंगाद्वार अर्थात् हरिद्वार के नाना तीर्थों का वर्णन	४२४
६७. बदरिकाश्रमस्थ नाना तीर्थ वर्णन	४२९
६८. कामोदा माहात्म्य वर्णन	४३७
६९. सिद्धनाथ चरित तथा कामाक्षा माहात्म्य वर्णन	४४०
७०. प्रभास माहात्म्य	४४३
७१. पुष्कर माहात्म्य वर्णन तथा यात्रा के नियम	४५२
७२. गौतमाश्रम का माहात्म्य	४५८
७३. त्र्यम्बक, पुण्डरीकपुर माहात्म्य, शंकर स्तुति वर्णन	४६१
७४. गोकर्ण क्षेत्र माहात्म्य वर्णन	४७७
७५. लक्ष्मणाचल माहात्म्य का वर्णन	४८१
७६. सेतु माहात्म्य	४८९
७७. रामेश्वर शिवलिंग महिमा, सेतु माहात्म्य	४९१
७८. अवन्ती माहात्म्य वर्णन	४९५
७९. मथुरास्थित नाना तीर्थ के माहात्म्य का वर्णन	४९९
८०. वृन्दावन का माहात्म्य वर्णन	५०४
८१. वसु का वृन्दावन वास तथा भविष्यगत कृष्णचरित वर्णन	५१६
८२. तीर्थयात्रा से मोहिनी को उत्तम लोकलाभ तथा दशमी के अन्तर्भाग में स्थिति मिलना नारदीय पुराण पाठ फल वर्णन	५२१

